

**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

**सामान्य अनुदेश**

इस प्रश्न-संह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 62+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए, इस पुस्तिका के अंत में खाली पृष्ठ दिया गया है।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

**General Instructions**

This Question-Cum-Answer (QCA) Booklet contains 62+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

For rough work, blank page has been provided at the end of this Booklet.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If, so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 01203838

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : AAYUSH SAINI

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English

English

तारीख  
Date

25-08-24

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)  
GENERAL STUDIES (Paper IV)**

केंद्र  
Centre Bhai Joga Singh  
School, Karal  
Bagh

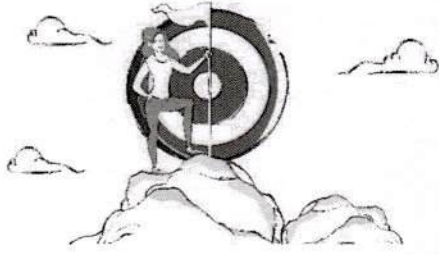
निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Inspector's Signature

	<p style="text-align: center;"><b>महत्वपूर्ण अनुदेश</b></p> <p>उम्मीदवारों को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवारों को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द या आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।</p>	<p style="text-align: center;"><b>Important Instructions</b></p> <p>Candidates should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.</p>
1	<p>(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें।</p> <p>(ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।</p>	<p>(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates.</p> <p>(b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet</p>
2	<p>अपनी प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।</p>	<p>Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.</p>
3	<p>परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।</p>	<p>Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.</p>
4	<p>उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।</p>	<p>Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.</p>
5	<p>उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।</p>	<p>Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.</p>
6	<p>प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।</p>	<p>Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.</p>
7	<p>प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।</p>	<p>Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.</p>
8	<p>यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।</p>	<p>If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.</p>

कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use	कार्यालय के प्रयोग हेतु For Official Use
<p>परीक्षक के हस्ताक्षर Signature of Examiner(s)</p>	

**प्राप्तांक के विवरण (परीक्षक द्वारा भरा जाए)/ Marks Details (To be filled by the Examiner(s))**

प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks		प्रश्न सं. Q. No.	अंक Marks	
1(a)			6 (a)		
1(b)			6 (b)		
2(a)			7		
2(b)			8		
3(a)			9		
3(b)			10		
3(c)			11		
4(a)			12		
4(b)					
5(a)					
5(b)					
उप-योग (A) Subtotal (A)			उप-योग (B) Subtotal (B)		
<b>सकल योग (A+B) / GRAND TOTAL (A+B)</b>					



**VISIONIAS**  
INSPIRING INNOVATION  
**ABHYAAS MAINS**

**सामान्य अध्ययन (प्रश्न पत्र-IV)/GENERAL STUDIES (Paper-IV) (2931)**

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

अधिकतम अंक: **250**  
Maximum Marks: **250**

**प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश**

कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

इसमें बारह प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में इंगित शब्द सीमा को ध्यान में रखिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

**QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS**

*Please read each of the following instructions carefully before attempting questions:*

There are **TWELVE** questions divided in **TWO SECTIONS** and printed both, in **HINDI** and in **ENGLISH**.

*All questions are compulsory.*

*The number of marks carried by a question/part is indicated against it.*

*Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.*

*Keep the word limit indicated in the questions in mind.*

*Any page or portion of the page left blank in the Questions-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.*

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

1. (a)

साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्जिन में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

Means v/s Ends debate  
goes back to time immemorial.  
The theory that supports these are  
Deontology  $\Rightarrow$  seeing means  
Utilitarianism  $\Rightarrow$  focussing on ends

End cannot justify means

1) Creates the slippery slope

(Eg): Firstly giving free ration to women without ration card  
Further undoing corruption by taking ration for oneself

2) Might create law and order situation if everyone starts seeing ends

(Eg): Mass killing (Public killing) of repists by people.

3) ~~A~~ If a person follows virtuous ends  $\Rightarrow$  virtuous ends follows (Kant)

(Eg): Gandhi Ji focussed on means by suspending [NCM] ⇒ (was a effective step for long run.)

4) Security/ends create an authoritarian environment

(Eg): recent Bangladesh government collapse

Further, there are some situations where ends also become important

1) To serve the larger societal goals (upholding social contract)

(Eg): - AFSPA in NER.  
- lathi charge to maintain law and order

2) Ends are also important

(Eg): Public policies are judged on their ends mainly

3) When it can cause more harm then good following means

(Eg): ~~hiring~~ Telling a lie to critically ill heart patient on death bed.

Thus a healthy balance is required with major focus on the means aspect

1. (b)

चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हार्जिफ में नही लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Laws are regarded as the societal codification of societal morality.

Relation between laws and ethics  $\Rightarrow$  shaped by societal changes

1) Collective conscience of the society guides the formulation of laws (of which society thinks is ethical)

(Eg): Stricter rape laws after Nirbhaya Case.

2) As societal ethics changes  $\Rightarrow$  laws are made to incorporate those changes

(Eg): Sati wasn't illegal in British law.

But is banned as per current societal ethical standards

3) Laws are made to serve the larger societal interests to uphold ethical norms  
(Eg): Banning of Triple Talak ⇒ For Societal approach toward women empowerment.

4) Laws acts as arbitration b/w between conflicting societal ideologies  
(Eg): Khep Panchayats to be restricted by laws for immoral acts

Further, there are situations, where laws are made not to incorporate societal changes but to bring out one.

- Equal treatment of women (Reservation in legislative Act)
- To curb casteism (SC/ST Act)
- To uphold Constitutional morality and not the Societal morality (Nag Foundation Case)

Further, whenever the law becomes exists it is the ethical standards that acts as a guiding light in cases of dispute

2. (a)

उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्गिफ में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

Probity is about adhering to the moral standards of highest level

Integrity is about adhering to moral principles when no one is watching

Further differences

Probity

- much deeper passionate commitment required
- going a extra mile (more efforts than required)

Ⓔ) Not just providing the ration to the old women without ration card but resolving the excision issue

Integrity

- dedication required to be integral
- Abiding by the laws and codes

Ⓔ) = To remain objective in such approach by denying ration

- Higher courage of conviction

(Eg) Durgeshakti Nagpal bursting mining scams and mafias

- focussing on effectiveness

- Courage of optimum level

- More focus on efficiency

Contributions for ethical governance and decision making

- 1) Upholding principles of Constitutional morality and upholding societal capital  
→ Justice  
→ Equality
- 2) To remain transparent and accountable.
- 3) Upholds credibility and trust of people ⇒ { Earlier persuasions and social changes }
- 4) Curbing corruption and red-tapism in governance.

Further having a institution with proper checks and balances can ensure probity

2. (b)

लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

"Information is the currency of democracy" →  
Thomas Jefferson

Ethical implications

- Against social morality
- Poor public service delivery
- Can fuel corruption
- Reduces trust and credibility of the public
- Poor public participation
- Gives boost to (ivory tower syndrome)

Transparency for accountability and reducing corruption

- 1) Evidences availability against violations
- 2) Better Public participation  
(~~more~~ citizen centric government)
- 3) Checks and balances and acts  
as a deterrence to mal-admin-  
stration
- 4) Make people more politically  
empowered
- 5) Ensured constitutional  
morality is upheld  
(eg) Article 19 ⇒ knowing about  
the government's  
work

RTI Act and e-governance  
initiatives are the positive  
steps in this regard

3.

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a)

"एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent." - Mahatma Gandhi (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हार्शिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Home is the first point of socialization for a child. The way of upbringing leaves deep marks on child's value system.

Decent home : Best School.  
Virtuous parents : Best Teachers

1) Instilling the value of cooperation

(E): Joint families

2) Provides a Best of social capital

(E): Non-capitalist parents ⇒ non capitalist child.

3) Provides for discipline in life

(E): - Japanese houses  
- Military houses families

4) Observational learnings about  
how parents behave / reacts

(Eg): Working mother instils a  
quality of hardwork in girl  
child

5) Allegories helps in instilling values

(Eg): Tiji Bai used to tell someone  
stories to Shivaji ⇒ (sense  
of sacrifice)

6) Religious values are provided by  
family

(Eg): Brotherhood in Islam  
non-violence in Jainism

Issues existing

1) Negative attitudes also gets imported.

⇒ Father beating mother ⇒  
child becomes patriarchal.

2) Nuclearization of families giving rise  
to consumerism / individualism (etc).

Recently, Modi's requested  
mothers to instil a positive  
value in a child in the light of  
rising rape cases in society.

3. (b)

"हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself" - Leo Tolstoy  
(Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

10

The quote says people focuses largely on outside world and remain critical about it but do less self-introspection to be self critical and changing oneself.

Thinking of changing the world not oneself

- 1) External locus without focusing of on ones habits
- 2) Change could only be brought if one starts with himself.  
(e.g): "Sweet incident of Gandhi's" => not recommended the child to leave excuse sweet eating until changing himself.
- 3) Self perception of being correct arises from egoistic mindset.

4) The person who preaches about changing the world and do not changing oneself

↓                      ↓  
lacks                      lacks  
integrity                      credibility

(E): [K.C. Sen] despite the head of Brahmo Samaj married his daughter when she was child.

5) Understanding that only the small changes with oneself could bring large changes in society

[Thought] → Persuasion  
                  → Motivation  
                  → Role modelling

(E): Buddha first lightened up himself before to teaching others.

As it is also being said that the "best way to change the world is to change oneself" — [Abraham Lincoln].

3. (c)

"जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ़्युशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"To see what is right and not do it is a lack of courage" - Confucius (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को  
इस हार्जिन में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

Courage is not just about being physically strong, rather it is about standing for what is ethical and moral.

Lack of courage: Seeing what is right and not following

1) Only an individual with strong moral moral principle integrity and intellectual integrity hold Courage of conviction

↳ following what is right

(Eg): Jandhi Ji's suspension of NCM after Chauri Chaura

2) Courage demands it's about going against the authorities in power to uphold the right thing

(Eg): Socrates sacrificed himself for the same

3) To understand ~~it~~ and  
acknowledge the right path  
is not sufficient until we  
walk on it diligently

(eg): One must follow constitution  
not just in letters but in  
spirit

4)

What happens  
if we have courage  
to do right thing?

1) Motivation to others

(eg): Masses joined Gandhi Jr.

2) Self satisfaction

(eg): Serves higher order needs (maslow)

3) Resolves our tripes of conscience

The ability to be  
courageous and to stand for what  
is right must be installed  
right from the childhood through  
our education system.

4. (a)

किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Attitude is our tendency or predisposition to act in a certain way towards any situation, person or behaviour

Factors leading to positive attitude in a person

1) Way of upbringing ⇒ Parental  
Friends  
Schools

(Eg): Working mother motivates and instils the attitude of hard work in girl child

2) Religious teachings.

(Eg) - Karuna (compassion) attitude (Buddhism)  
- Sthitaprajna (equanimity) in positive attitude in crisis (Yoga)

3) Self learning and sensitivity training

(Eg): Self perception developed the attitude of non-violence in Ashoka after Kalinga war

4) Life experiences  $\Rightarrow$  Various ups and downs helps individual to develop an attitude of acceptance and remaining positive (Eg): Yondhi Ji Jail experience

Positive attitude to enhance effectiveness of Civil Servants

- 1) Handling hostile situations well (Eg) remaining positive during disaster
- 2) Leadership and motivating the staff.  
(Eg): Negative attitude of leader create negative work culture.
- 3) To be able to persuade effectively  
(Eg): Only a officer with positive attitude connects well with people.
- 4) To be passionately dedicated towards public service  
(Eg): Pam Armstrong due to positive attitude found a way to help people by construct road  
Further, on field experiences helps in uniquely shaping of the attitude of a civil servant

4. (b)

चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

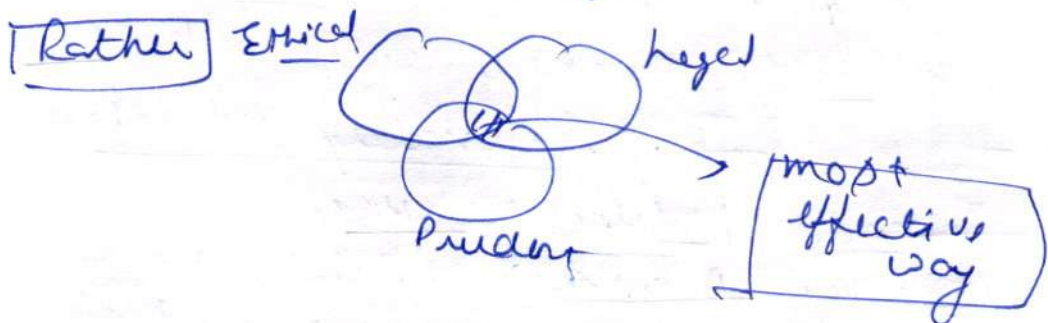
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

Emotional intelligence is an ability to ~~see~~ understand, interpret and manage the emotions of oneself and the others.

Emotional intelligence in ethical decision-making for public resource allocation

1) Balancing out objectivity and emotions to resource allocation

Ex: giving free rations to old women without ration card can create slippery slope



2) To clearly communicate clearly to manage the resource emotions

of the stakeholders

(Eg): Persuading to not to conflict  
due to allocation of reservation  
status to certain  
caste

3) To judge that resource allocation  
is guided by constitutional  
morality and not by personal  
or someone else's emotion.

(Eg): Tackling situation of political  
favouring certain caste with  
subsidies

4) To not to be repulsive in  
approach of public service delivery  
⇒ healthily managing personal emotions.

Ways to do?

1) Capacity building ⇒ IAOT platform.

2) Innovative in approach ⇒ Debit's lack  
of resources

{Jitendra Kumar Soni  
provided lights to school

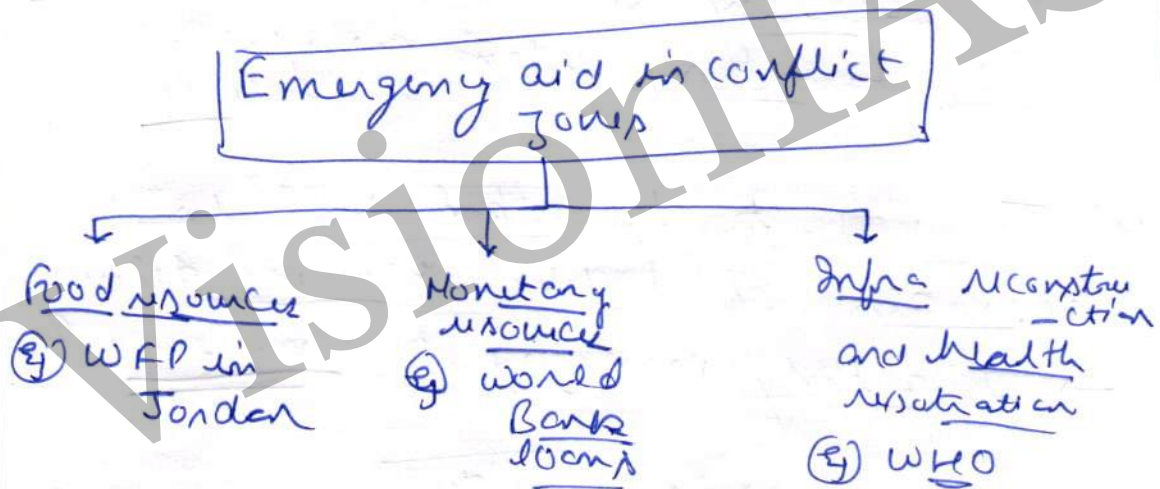
Further, one must note  
that emotional intelligence must  
not be misused for manipulation  
and personal gains

5. (a)

विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

① Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) ② 10

International humanitarian aid serves the vision of 'Humanism' — humans at the core. But such aids are accompanied by several issues.



Ethical challenges faced by such organizations

1) Lack of accountability and logistical issues, not reaching the intended beneficiaries

①: In Yemen only 25% aid reaches to intended beneficiaries due to corruption.

2) Challenges wit equality in  
resources distribution.

(Eg): whether to provide resources to  
violent group?

3) Some aids can further fuel up  
the war

(Eg): Resources provided to terrorists  
are misutilized

4) Hidden agendas of organization to  
extend the hegemony of west ⇒  
declining local sovereignty

Guiding principles

1) Compulitarian Moral theory ⇒ morality  
is not bound to geographical  
boundaries

2) Empathy and Compassion

(Eg) Bill and Melinda gates foundation  
⇒ vaccines to Africa

3) Humanism at the core value.

4) Right to life and livelihood as  
a universal human value.

Further, learnings from  
India ⇒ "Vasudai' Kutumbakam"  
will make such aids more effective

5. (b)

अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words)

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Persuasion is a intentional communication to bring out social acceptance for attitudinal change

(Eg): Mother persuading Child to eat healthy.

Most important skill for civil servant

1) For attitudinal change to serve social justice

(Eg): Motivating parents to send girl child to school

2) To curb prejudices and superstitions

(Eg): Persuading tribal community to take vaccine (otherwise resistant)

3) To have a clear communication with the stake holder

(Eg): Discussing about policies and persuading to follow them

4) To uphold credibility and trust of administration

5) To uphold the principles of constitutional morality.

(Eg): Curbing of casteist attitudes through reasons providing reasonings.

Key considerations that should guide persuasion

1) Persuasion should not be coercive in nature ⇒ (ineffective way to bring attitudinal change)

(Eg): hathi Chang for open defecation

2) Non manipulative approach ⇒ all the facts / data must be communicated properly

3) Abiding by the rule of law and Constitutionalism

4) Effective communication ability

5) Clear messaging (Eg): Beti Padhao  
Beti Bachao

Further, celebrity linkaging and social proofing techniques could be used for persuasion

6. (a)

विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words)

10

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Currently, India ranks 93/180 in corruption perception index released by Transparency International.

Ethical leadership in curbing corruption in public services.

- 1) Removal of undue influences in the work culture by suppressing collective nexuses
- 2) Facilitating the easy whistle blow without any fear
- 3) Citizen centric approaches.  
Augmenting → Citizen charter  
                  → Social audits

(Eg): Window of AoP Charter, Mayansherif.

4) Curbing the leakages through e-governance policies being implemented by leader

(E): DBT, e-fair price shops

5) Improvements of checks and balances within organization

6) Improvement of work culture and motivating the juniors for ethical conduct.

(E): Acknowledging best practices of public service

How to improve  
ethical leadership?

- 1) First training under ethical officer
- 2) Augmenting capacity building programmes like Mission Kar mayogi
- 3) Performance appraisal reports by juniors as well for the senior.

Ethical administration is vital for upholding socio-economic justice with good governance approach.

6. (b)

स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)  
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को  
इस हार्शिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

Swami Dayanand Saraswati was the founder of Arya Samaj. His teaching still resonate in the minds of the Indian people.

### Major teachings

- 1) Curbing castitism  $\Rightarrow$  treating all as equal by birth.
- 2) - Do not support superstitions and prejudices  $\Rightarrow$  rationality in approach to issues.
- 3) Women to be treated equally to men  $\rightarrow$  Equality in Education  
 $\rightarrow$  Equality in Employment
- 4) Balance out materialism and Spiritualism.

Relevance in addressing  
Current ethical and  
Social challenges

- 1) Upholding Social Capital  
    ↓                      ↓  
    Equality            Justice  
- suppression of casteism  
  (An Patan district upper caste boycotted Dalit run PDS shop)
- 2) Changing the attitude of Patriarchy  
- Equal treatment and opportunity  
  (women currently contribute just 17% to GDP) - McKinsey
- 3) To have attitude of compassion and empathy and participate in Social Services
- 4) To ~~to~~ curb extreme consumer ideology and balancing it out with sacrifices.
- 5) Rationality and scientific temper to curb licence and superstitions  
  (eg): witch hunting in West Bengal
- 6) Mental health improvement through (Spiritualism) practices.

The teachings could be included in School-Curriculum to instil moral values within children

7.

मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

- मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।
- करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?
- यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या जिम्मेदारियां हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

- Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.
- Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?
- What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)

Recent NCRB reports  
says rape cases are total  
place are registered daily  
in India

a) Ethical issues  
dilemma

- 1) End v/s means  
(leaving of Marigyan  
500)
- 2) Personal v/s respecting  
moral values privacy of  
Marigyan
- 3) Professional v/s Personal  
integrity gain  
(loyalty to  
Service)
- 4) Promotion of v/s Contrived  
Marigyan leaving of  
Job of  
her
- 5) Social responsibility v/s accepting  
friend's  
demands

## b) Path to be chosen

- 1) going with the POST complaint if Maniyam is not persuaded.
- 2) As a friend, start searching for other jobs for her and himself.
- 3) collecting the proofs by requesting Maniyam proof and providing it to the dedicated authority.
- 4) Seeking N/AO on NCO support if needed.

## c) Responsibilities of X42

- 1) To uphold rule of law
- 2) Internal investigation inquiry committee to be set up as per POST Act.

### 3) Changing work culture.

Nation cannot  
serve its vision to be  
developed @ 2047 if  
women's participation remains  
limited

उम्मीदवारों को  
इस हार्जिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

VisionIAS

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

- शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।
- जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?
- जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

- (a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
- (b) What option should Jay adopt and why?
- (c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हिसाब में नहीं लिखना चाहिए  
Candidates must not write on this margin

Various ethical ~~interest~~ dilemmas and conflict of interest crises ~~during~~ civil services. One must hold certain set of ethical standards to ~~can~~ resolve such.

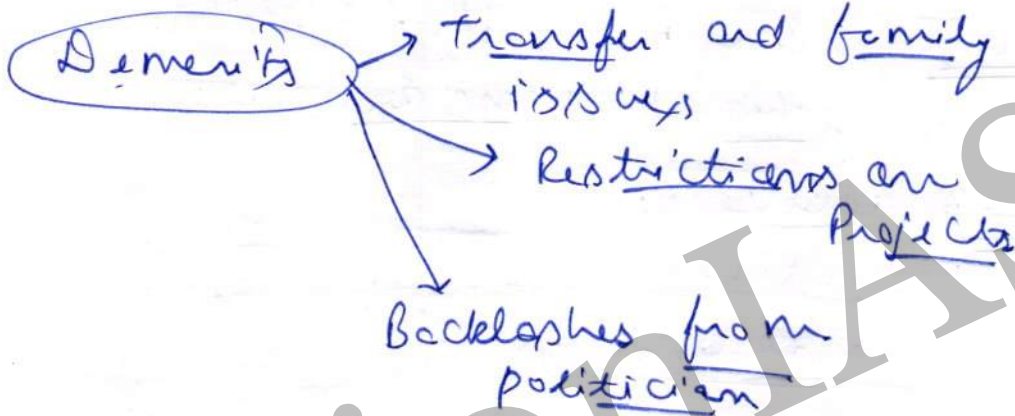
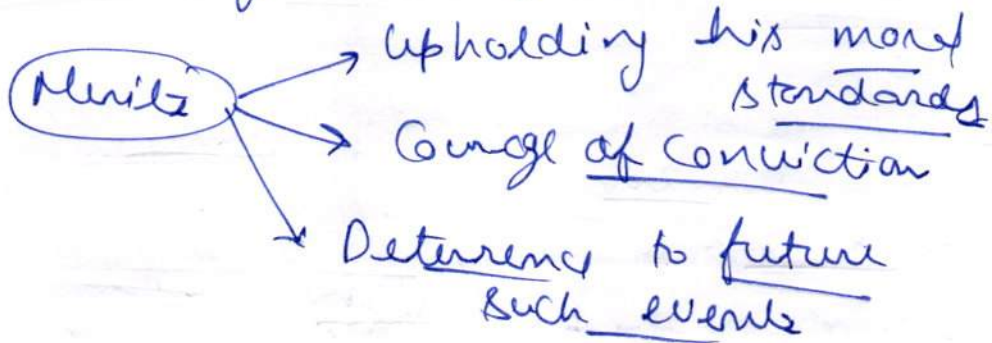
### Options available

- a) letting go the complaint and letting the HR recruitment to happen.

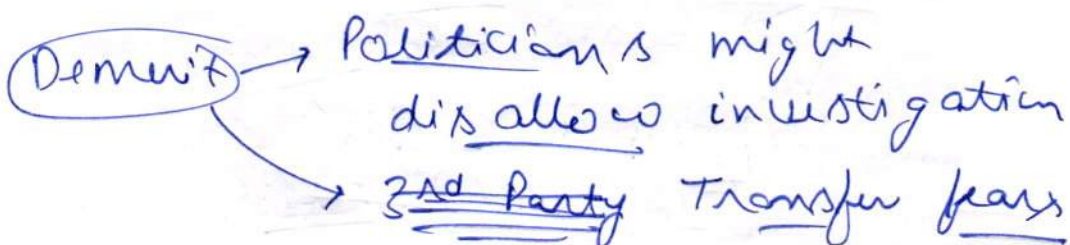
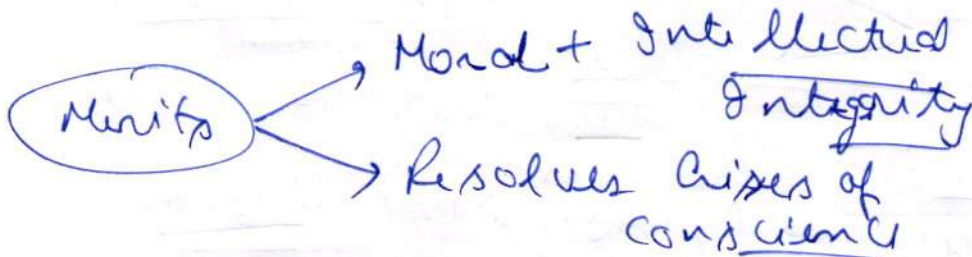
Merits → Jay's personal life not hindered  
→ Smooth conduct of his initiated projects.

Demerits → Against his professional integrity  
→ Crises of Conscience  
→ Slippery slope for further similar events

b) Openly exposing the scam



c) Re-evaluating the scam through examination by 3rd party and taking actions accordingly



## 6) Pathway for Jay

- 1) Setup a dedicated investigation team and collect evidence
- 2) If problem that recruitments are on merit  
↳ Communicate them to the public with proofs
- 3) If 3<sup>rd</sup> Party investigations provides for a scam. ⇒  
Whistle blowing it
- 4) ~~4)~~ Use the seniors and other officers support to raise the voice this time to not get curbed.
- 5) Providing scam details to CVC and further seeking the help of lokal or courts if required.
- 6) Getting ready to face transfer and setbacks but standing with attitude of courage of convicted

c) For better protection of  
such officer

- 1) Augment Whistle Blowing Act '2013
- 2) Vigilance units must be  
completely independent of  
executive pressure
- 3) Establish Civil Services board  
in all states to counter  
~~to~~ transfers as a tool for  
punishment
- 4) Intilling the ~~habit~~ ability  
of courage through capacity  
buildings
- 5) Opting for e-governance for  
better transparency and accountability

To serve the socio-economic  
development of the nation, it  
is important to curb scams  
and corruption.

X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
- उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
- भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

- Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
- Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
- Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words)

Environment protection  
~~and~~ v/s development is  
a very heated debate in today's  
society, especially in a  
developing country like India

a) Ethical dilemmas  
involved

1) ~~Stake~~

1) Development v/s sustainability

2) Short term v/s long term  
gain  
(forest cut) (less pollution)

3) Professional v/s following  
integrity orders of the  
ministers

4) Means v/s End  
(cutting forest) (development)

5) Local People's v/s larger national  
rights interests

6) Personal gains v/s Professional ethics  
(by following minister's adv's blindly) (abiding by the rule)

b) Options available

⇒ Passing the projects

Merits → Local development  
→ Lesser pollution  
→ Minister's goodwill

Demerits → might fuel protest  
→ loss of forest

⇒ Rejecting all together

Merits → Forest is saved  
→ Local people's demand met (Jandhan principle)

Demerits → Developmental backwardness  
→ fueling populist nature of government policies  
(not focussed on effectiveness)

## Path to be followed

- 1) Firstly, extensive EIA would be announced with the participation of locals / NAGs / Activists
- 2) If project gets approved
  - proper rehabilitation will be ensured
  - Compensatory afforestation would be done as per the norms.
  - Persuasion of locals and assuring them to make partners in development
- 3) Further, relocation of farms could be done wherever and if required.
- 4) Suggesting, alternatives such as bridge being provided constructed (will require lesser forest cutting)
- 5) If the project gets rejected
  - suggesting a alternative route with similar benefits and development.

c) Balancing urban needs  
with environment  
conservation

- 1) Extensive EIA should be done
- 2) Locals should not be considered as mere rather developmental partners
- 3) Ensuring, any large deforestation must be accompanied by equal amount of afforestation
- 4) Keeping LIFE (lifestyle for environment) and ecocentrism in at the core.

India must opt  
for sustainable development to

Meeting  
Panchsmit  
targets

Developed  
by 2047

10.

डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहीनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

- उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
- डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

- Identify the stakeholders in the above case study.
- Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
- Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words)

20

Poorly produced  
eye drop lead led to by an  
Indian company recently led to  
demise of number of children  
in ghos.

a)

### Stakeholders involved

- Board of directors
- Mr. Mehra and Team
- Consumers (public at large)
- Government (Preparing <sup>the</sup> standards)

b)

### Ethical issues faced by Mr. Mehra

- 1) Upholding professional integrity  
by following advice of  
Board of directors.
- 2) To make earn (profits) to the  
company and stakeholders.
- 3) Under influence of seniors  
for a hasty release of  
drug.
- 4) Large amount of input already  
made without any output  
(efficiency related issue)

5) Might turn hazardous  
to public in the longer  
run

— might impact Right to  
Life (Article 21)

— Knowledge without  
character

— Commerce without  
morality

— Science without  
humanism

} Jandhian  
Singh

6) Options available

1) Outright rejection

Merit — might save life lives in  
the (longer run)

Demerit — Backlashes from BOD  
Personal impacts to  
Mr. Nehru

2) Acceptance

Demerits — Against rule of law  
might impact health  
of masses in  
longer run

Merits } Profit to company  
              } Proviso from BOD

### Step to be Chosen

- 1) Revisiting all the steps  
multiple times as per  
government standards
- 2) If Passed, allowing timely  
release
- 3) If fails, prepare a detailed  
report and present it to  
the BOD

Explaining  
about the  
bad name it  
can bring

Reminding them  
of the reputation  
Company holds

- 4) Simultaneously, launching a  
path corrective measure with  
augme using RnD to  
build new drug

5) Further, whatever may be the decisions, Mr. Mehra must uphold the moral integrity and have "sense of Courage of conviction" for larger social good.

Further, India needs a dedicated setup of labs to have a constant check on quality of drugs to uphold Right to health under Article 21

आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेटरी के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

- Discuss the ethical issues involved in this case.
- How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
- What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words)

20

Work culture are the set of principles, standards and values that shapes the unique socio-cultural and psychological environment of the organization.

- Ethical issues
  - Work culture of Minimalism and Red tapism ⇒ Jenious in effective participation

2) Issues of taking other's  
Credits through unfair means

3) Leatharginess → Burden on  
Public money

↓  
A form of  
Corruption

↓  
Poor  
public  
service delivery

4) Lack of trust model  
(Yardstick)

5) Poor sense of Constitutional  
morality

6)

Affects to  
work place moral  
and Productivity

1) Fuels leatharginess in  
the system

- 2) Loss of public trust and credibility
- 3) Negative influence on the Unions
- 4) Poor relation between Union - services



- 5) Poor motivation to work
- 6) Blame game culture starts
- 7) Ineffective leadership
- 8) Efficiency and accountability decrease

c) Options available

- 1) Opposing union to in the meeting to get the credit for your work
- 2) Single handedly going with the project
- 3) Ignoring unions approach for personal credits and

motivating the ~~staff~~ staff  
by reforming work culture

### Path of action

1) Letting go the seniors taking  
credits of my work

(main focus on completion  
of project, not to gain  
popularity)

2) Changing the work culture  
through

- Informal interaction

- Seeking innovative responses  
and rewarding them

- Incentivising the best practices

- To become more communicative

- To give your credits of success  
to the team

Good ~~efficient~~ work culture  
is important for ensuring

3Es Efficiency of any project  
Economy  
Effectiveness

12.

अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

- (a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
- (b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

- (a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.
- (b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why? (Answer in 250 words) 20

India ranks 93/180  
in corruption perception index.  
The above such nexus provides  
for its evidence.

1) Ethical issues

1) Right to life of locals ⇒  
access to safe drinking  
water

2) Ethical issues  
due to such nexus

1) Violation of constitutional  
rights

(Right to safe drinking water -  
Article 21)

2) Impact on the social contract  
(between locals and government)

3) Loss of trust and credibility  
among the people

4) No serving the landless  
model of trusteeship (holding  
resources as a trustee)

5) Loss of environment  
(against ecocentrism)

6) Loss of public exchequer  
(black money)

b) Options

- Whistle blow the nexus  
- hit go of it the compliment  
(status quo)

- Re-examination of the  
EIA

Way Forward

1) Firstly, EIA should be

ordered again's (could be done as per rule)

2) If found violative

↳ Complaint should be launched against industry and EIA publisher

3) Putting ~~data~~ the fine and forcing industry to set up water clearing plant

4) Shouldn't get lured by partnership by offers from opposition (injecting it all together)

[EIA] should be made more inclusive having better participation of locals and experts and judicial members to improve accountability and transparency

उम्मीदवारों के  
इस हार्शिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK

VisionIAS

SPACE FOR ROUGH WORK



VisionIAS